10.5 cms

29.7 cms

English

"Chambal Fertilizers and Chemicals Limited is a leading player in the agri-input industry, dedicated to empowering farmers with high-quality, innovative, and sustainable solutions for enhanced crop productivity. With a robust portfolio that includes **fertilisers, crop protection products, speciality nutrients and biologicals,** we cater to the diverse needs of modern agriculture across major Indian market

Our mission is to enable prosperous farming through scientific innovation, and agronomic support. We collaborate closely with farmers, scientists, and channel partners to deliver field-tested products backed by strong R&D and technical advisory services.

With a pan-India distribution network, **Chambal Fertilizers and Chemicals Limited** stands for trust, quality, and farmer-centric innovation—making agriculture more profitable, productive, and sustainable.

Our recently offered **Seeds** portfolio adheres to Industry best practices with regards to germination, better vigour and tolerance to biotic & abiotic stresses resulting in better yields when the best farming practices are undertaken. The complete agri input portfolio is now in line with our Motto " UTTAM KA YOGDAN SAMPUNRN KRISHI SAMADHAN". The following general recommendations are provided with a request to read these recommendations before making any decisions.'

Millet Hybrid	KBH-876	876										
Duration												
Kharif	82-84	82-84										
Rabi												
Spring												
	Please note according to weather onditions crop growth & maturity may be different											
	General recommendations											
Source of irrigation	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Ranifed/ Life saving irrigation if required	Rainfed	Rainfed	Irrigated	Irrigated	Irrigated	Irrigated
	Hybrid should be selected according to soil fertility & availability of irrigation												
	General recommendations to cultivate the crop												
Sowing	Sowing is to be done according to the recommended seed rate @ 1.5 Kg/acre, with sufficient moisture & recommended spacing. Soil application of insecticide before sowing to save the seed from soil insects like termites & white grub												
Seed treatment	Seed is treated with thiram (75% WS) & deltamethrin (2.5% WP) hence do not soak the seed before sowing												
	Distance in cm (Row to row & Plant to plant)												
Rainfed/ Irrigated 60000/plants	45x10 cm												
Fertilizer recommendation	FYM improves the fertility gradiant of the soil. Ensure the availability of chemical fertilizers at different stages of the crop.												

Recommendation of FYM & chemical fertilizers

			FYM T/ acre	Urea (Kg/ acre)	DAP (Kg/ acre)	Potash (Kg/ acre)
Rainfed 60000/ plants			3	40	20	20
Ranifed/ Life saving irrigation if required 60000/ plants			4	60	40	20

Recommendation of fertilizer application time

			FYM T/ acre	Urea (Kg/ acre)	DAP (Kg/ acre)	Potash (Kg/ acre)
Rainfed 60000/ plants	Basal		3	5	20	20
	3-4 week after germination			18		
	6-7 week after germination			17		
Ranifed/ Life saving irrigation if required 60000/ plants	Basal		4	20	40	20
	3-4 week after germination			20		
	6-7 week after germination			20		

Intercultivation	Weed managemeent is very necessory in initial stage of the planted crop. Use proper methods to control the weeds
Irrigation	At the time of sowing, at the time of flowering & at the time of grain formation there should be proper moisture in the soil.
Weed management	Weed control should be done by hand weeding or application of herbicides. Pre-emrgence application of Atrazine 50%WP (250 gm/acre) can be used for weed control
Insects & diseases	Insect: Insect damages the millet crop in different stages. Shoot fly & shoot borer are the major insects which decreses the yield. Other insects are termite, white grub, blister beetle, locust & caterpillers.

Insect/ Disease	Incidence time	Control measures/ Chemical	Remarks
Termite	At the time of sowing	Imidacloprid 70%WS (10 gm/ kg seed)	Seed treatment
White Grub	At the time of sowing	Mixing of Carbofuran 3 G @ 12 Kg/ha with Bajra seed	
Shoot fly & shoot borer	20-25 days after sowing	Imidacloprid 70%WS (10 gm/ kg seed)	Seed treatment
Downy Mildew	Initiate from vegetative stage	Seed treatment with Apron 35 SD @ 6g/kg seed	Use resistant hybrids

Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations releted to particular region, please contact your local State Agriculture Department.
Harvesting & threshing	The best stage to harvest pearl millet is when the plants reach to the physiological maturity determined by the black spot at the bottom of the grain in the hilar region
Storage	After harvesting, dry the seed in sunlight properly then store in dry & cool places to control from rats & insects
Don't Do	1. Do not sow millet in fields where fungal diseases like downy mildew have spread in the previous year. 2.Do not store the millet produce in piles with excessive moisture. Make sure to dry the panicles/seeds thoroughly.
Do's	1. Identify and take preventive measures against pests and diseases in the early stages. 2. Ensure that no water accumulates in the fields at any stage of the crop's growth.
Precations	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.

HINDI

चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड कृषि–निविष्ट उद्योग में एक अग्रणी कंपनी है, जो किसानों को अपनी उपज की बेहतर उपज प्रदान करने के लिए उच्च–गुणवत्ता वाले नवीन एवं टिकाऊ समाधान प्रदान करते हुए उन्हें सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। इसके पोर्टफोलियो में अनेक **उर्वरक, फसल सुरक्षा उत्पाद, विशेष पोषक तत्व और जैविक उत्पाद** शामिल हैं और इनके बल पर यह मुख्य भारतीय बाजारों में आधुनिक कृषि की विविध आवश्यकताओं को पूरा करता है।

हमारा मिशन वैज्ञानिक नवाचारों को अपनाना और कृषि संबंधी महत्वता के माध्यम से समृद्ध खेती को सक्षम बनाना है। हम सुदृढ़ अनुसंधान एवं विकास और तकनीकी सलाहकार सेवाओं द्वारा समर्थित एवं जमीनी स्तर पर जाँचे–परखे उत्पाद प्रदान करने हेतु किसानों, वैज्ञानिकों और चैनल पार्टनरों के साथ मिलकर काम करते हैं।

संपूर्ण भारत में व्यापक वितरण नेटवर्क के साथ **चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड** विश्वास, गुणवत्ता और किसान–केंद्रित नवाचारी का प्रतीक है, जिससे किसानों के लिए खेती अधिक लाभदायक, उत्पादक और संधारणीय बनती है।

हमारे हाल ही में प्रस्तुत किए गए **बीजों** के पोर्टफोलियो के अंतर्गत अंकुरण, बेहतर शक्ति और जैविक व अजैविक तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता के साथ इस क्षेत्र की सर्वोत्तम पद्धतियों का पालन किया गया है। इसके परिणामस्वरूप सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों को अपनाने पर किसानों को बेहतर पैदावार प्राप्त होती है। अब हमारा संपूर्ण कृषि निविष्ट पोर्टफोलियो हमारे आदर्श वाक्य ''उत्तम का उपयोग, संपूर्ण कृषि समाधान'' को साकार कर रहा है। हम यह अनुरोध करते हुए निम्नांकित सामान्य अनुशंसाएँ उपलब्ध करवा रहे हैं, कि आप कोई भी निर्णय लेने से पहले इन्हें अवश्य पढ़ें।

हाइब्रिड बाजरा	KBH-876	876										
अवधि												
खरीफ	82-84	82-84										
रबी												
वसंत												
	कृपया ध्यान दें कि मौसम की स्थिति के अनुसार फसल की वृद्धि और परिपक्वता में अंतर हो सकता है.											
	सामान्य सिफारिशें											
सिंचाई का स्रोत	यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/ जीवन रक्षक सिंचाई	यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/ जीवन रक्षक सिंचाई	यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/ जीवन रक्षक सिंचाई	यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/ जीवन रक्षक सिंचाई	यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/ जीवन रक्षक सिंचाई	यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/ जीवन रक्षक सिंचाई	यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/ जीवन रक्षक सिंचाई	वर्षा आधारित	वर्षा आधारित	सिंचित	सिंचित	सिंचित	सिंचित
	मिट्टी की उर्वरता और सिंचाई की उपलब्धता के अनुसार हाइब्रिड बीजों का चयन किया जाना चाहिए.											
	फसल की खेती के लिए सामान्य सिफारिशें											
बुवाई	बुवाई की सिफारिश की गई बीज दर, यानी 1.5 किलोग्राम/एकड़ के अनुसार, पर्याप्त नमी और सिफारिश किए गए अंतराल के साथ किया जाना चाहिए. बीज को दीमक और सफेद गिडार जैसे मिट्टी के कीटों से बचाने के लिए बुवाई से पहले कीटनाशक का मिट्टी में छिड़काव करना चाहिए.											
बीज उपचार	बीज को थिरम (75% WS) और डेल्टामेथ्रिन (2.5% WP) से उपचारित किया जाता है, इसलिए बुवाई से पहले बीजों को भिगोएँ नहीं.											
	दूरी सें.मी. में (पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे)											
वर्षा आधारित/ सिंचित 60000 पौधे/एकड़	45x10 cm											
उर्वरक की सिफारिश	गोबर की खाद से मिट्टी की उर्वरता बेहतर बनती है. फसल की विभिन्न अवस्थाओं पर रासायनिक खादों की उपलब्धता सुनिश्चित करें.											

गोबर की खाद और रासायनिक खाद संबंधी सिफारिश

			गोबर की खाद टन/ एकड़	यूरिया (कि.ग्रा./ एकड़)	डीएपी (कि.ग्रा./ एकड़)	पोटाश (कि.ग्रा./ एकड़)
वर्षा आधारित 60000 पौधे/एकड़			3	40	20	20
यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/जीवन रक्षक सिंचाई 60000 पौधे/एकड़			4	60	40	20

गोबर की खाद और रासायनिक खाद संबंधी सिफारिश

			गोबर की खाद टन/ एकड़	यूरिया (कि.ग्रा./ एकड़)	डीएपी (कि.ग्रा./ एकड़)	पोटाश (कि.ग्रा./ एकड़)
वर्षा आधारित 60000 पौधे/एकड़	बुवाई के समय		3	5	20	20
	अंकुरण के 3-4 सप्ताह बाद			18		
	अंकुरण के 6-7 सप्ताह बाद			17		
यदि आवश्यक हो तो वर्षा आधारित/जीवन रक्षक सिंचाई 60000 पौधे/एकड़	बुवाई के समय		4	20	40	20
	अंकुरण के 3-4 सप्ताह बाद			20		
	अंकुरण के 6-7 सप्ताह बाद			20		

निराई गुड़ाई	रोपी गई फसल की प्रारंभिक अवस्था में खरपतवार प्रबंधन बहुत आवश्यक है. खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए उचित विधियों का उपयोग करें.
सिंचाई	बुवाई के समय, फूल आने के समय और दाने बनने के समय मिट्टी में उचित नमी होनी चाहिए.
खरपतवार प्रबंधन	खरपतवार नियंत्रण हाथ से निराई करके या खरपतवार नाशक प्रयोग द्वारा किया जाना चाहिए. खरपतवार नियंत्रण के लिए उगने से पहले एट्राजीन 50%WP (250 ग्राम/एकड़) का उपयोग किया जा सकता है.
कीट और रोग	कीट : कीट बाजरे की फसल को विभिन्न चरणों में नुकसान पहुंचाते हैं. शूट फ्लाई और तना छेदक प्रमुख कीट हैं जो उपज को कम करते हैं. अन्य कीट दीमक, सफेद गिंडार, ब्लिस्टर बीटल, टिड्डे और कैटरपिलर हैं.

कीट/रोग	रोग कब करें	नियंत्रण उपाय/ रासायनिक	टिप्पणी
दीमक	बुवाई के समय	इमिडाक्लोप्रिड 70%WS (10 ग्राम/ कि.ग्रा. बीज)	बीज उपचार
सफेद गिंडार	बुवाई के समय	बाजरा बीज के साथ कार्बोफुरान 3 जी की 12 कि.ग्रा./ हेक्टेयर की दर से मिलाना	
शूट फ्लाई और शूट बोरर	बुवाई के 20-25 दिन बाद	इमिडाक्लोप्रिड 70%WS (10 ग्राम/ कि.ग्रा. बीज)	बीज उपचार
डाउनी मिल्ड्यू	वानस्पतिक अवस्था से शुरुआत करें	एप्रन 35 एसडी को 6 ग्रा./ कि.ग्रा. बीज की दर से बीज उपचार करें	प्रतिरोधी हाइब्रिड का उपयोग करें

ध्यान दें	उपर्युक्त जानकारी एक सामान्य सलाह है. किसी विशेष इलाके से संबंधित विशिष्ट सिफारिशों के लिए, कृपया अपने स्थानीय राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें.
कटाई और थ्रेशिंग	बाजरे कटाई के लिए सबसे अच्छी अवस्था वह है जब पौधे भौतिक रूप से परिपक्वता तक पहुँच जाते हैं, जो हिलर क्षेत्र में अनाज के निचले हिस्से में काले धब्बे द्वारा निर्धारित होती है.
भंडारण	कटाई के बाद, बीजों को धूप में अच्छी तरह से सुखाएँ और फिर चूहों और कीड़ों से बचाने के लिए उन्हें सूखी और ठंडी जगह पर भंडारित करें.
क्या न करें	1. उन खेतों में बाजरा न बोएँ जहाँ पिछले साल डाउनी मिल्ड्यू जैसी फफूंदजन्य बीमारियाँ फैली हों. 2.बाजरे की फसल को बहुत ज्यादा नमी वाले ढेर में न रखें. सिट्टों/बालियों को अच्छी तरह से सुखाना सुनिश्चित करें.
क्या करें	1. शुरुआती चरणों में कीटों और बीमारियों की पहचान करें और उनके विरुद्ध निवारक उपाय करें. 2. सुनिश्चित करें कि फसल के विकास के किसी भी चरण में खेतों में पानी जमा नहीं हो.
सावधानियाँ	फसल की बढ़वार और उपज विभिन्न कारकों से प्रभावित हो सकती है. इसलिए, सलाह के लिए अपने स्थानीय कृषि अधिकारी से परामर्श करने की सलाह दी जाती है. यह सुनिश्चित करें कि केवल उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरक और कीटनाशकों का उपयोग ही किया जाए. बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की खरीद के बिल संभाल कर रखें.

GUJARATI

ચંબલ ફર્ટિલાઇઝર્સ એન્ડ કેમિકલ્સ લિમિટેડ એ એગ્રી–ઇનપુટ ઉદ્યોગમાં એક અગ્રણી કંપની છે, જે ખેડૂતોને પાકની ઉત્પાદકતા વધારવા માટે ઉચ્ચ–ગુણવત્તા ધરાવતા, નવીન અને સ્થાયી ઉકેલો પૂરાં પાડવા સમર્પિત છે. **ખાતરો, પાકનું રક્ષણ કરનારા ઉત્પાદનો, વિશેષ પોષકતત્વો અને બાયોલોજિક્સ** સહિતના મજબૂત પોર્ટફોલિયોની સાથે અને ભારતના પ્રમુખ માર્કેટોમાં આધુનિક કૃષિની વિવિધ આવશ્યકતાઓ પૂરી કરીને છીએ.

અમારું મિશન વૈજ્ઞાનિક નવાચારો અને કૃષિ સંબંધિત સહાય પૂરી પાડીને ખેતીને સમૃદ્ધ બનાવવાનું છે. સઘન આર સેન્ડ ડી અને ટેક્નિકલ સલાહની સેવાઓની મદદથી ફીલ્ડ–ટેસ્ટ કરેલ ઉત્પાદનો પૂરાં પાડવા માટે અમે ખેડૂતો, વૈજ્ઞાનિકો અને ચેનલ પાર્ટનરો સાથે હળિમળિને સહયોગ સાધીએ છે.

સમગ્ર ભારતમાં ફેલાયેલા વિતરણ નેટવર્કની સાથે **ચંબલ ફર્ટિલાઇઝર્સ એન્ડ કેમિકલ્સ લિમિટેડ** વિશ્વાસ, ગુણવત્તા અને ખેડૂત–કેન્દ્રી નવીનતાનું પ્રતીક છે, જે કૃષિને વધુ નફાકારક, ઉત્પાદક અને સ્થાયી બનાવે છે.

અમારા હાલમાં જ રજૂ કરવામાં આવેલા **બિયારણો**ના પોર્ટફોલિયોમાં અંકુરણ, વધુ સારા જોમ તથા જૈવિક તથા અજૈવિક તણાવ સામે ટકી રહેવાની સહનશીલતા સંબંધિત ઉપયોગના શ્રેષ્ઠ ધોરણોનું પાલન કરવામાં આવ્યું છે, જેના પરિણામે જ્યારે પાક ખેતી શ્રેષ્ઠ પદ્ધતિઓ અપનાવવામાં આવે ત્યારે વધુ સારી ઉપજ મળી રહે છે. અમારો સંપૂર્ણ કૃષિ ઇનપુટ પોર્ટફોલિયો હવે અમારા સૂત્ર "ઉત્તમ કા યોગદાન સંપૂર્ણ કૃષિ સમાધાન" ની સાથે સુસંગત છે. અહીં નીચે કેટલીક સર્વસામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, જેને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા વાંચી જવાની વિનંતી છે."

હાઇબ્રિડ બાજરા	KBH-876	876										
સમયગાળો												
ખરીફ	82-84	82-84										
રબી												
વસંત												
	કૃપા કરીને નોંધમાં લેશો કે, હવામાનની સ્થિતિ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતામાં ફેરફાર હોઈ શકે છે.											
	સામાન્ય ભલામણો											
સિંચાઈનો સ્રોત	જો જરૂરી હોય તો વરસાદ આધારિત/ જુગજરૂરક સિંચાઈ	જો જરૂરી હોય તો વરસાદ આધારિત/ જુગજરૂરક સિંચાઈ	જો જરૂરી હોય તો વરસાદ આધારિત/ જુગજરૂરક સિંચાઈ	જો જરૂરી હોય તો વરસાદ આધારિત/ જુગજરૂરક સિંચાઈ	જો જરૂરી હોય તો વરસાદ આધારિત/ જુગજરૂરક સિંચાઈ	જો જરૂરી હોય તો વરસાદ આધારિત/ જુગજરૂરક સિંચાઈ	જો જરૂરી હોય તો વરસાદ આધારિત/ જુગજરૂરક સિંચાઈ	વરસાદ આધારિત	વરસાદ આધારિત	સિંચાઈ આધારિત	સિંચાઈ આધારિત	સિંચાઈ આધારિત	સિંચાઈ આધારિત
	જમીનની ફળદ્રુપતા અને સિંચાઈની ઉપલબ્ધતા અનુસાર હાઈબ્રિડની પસંદગી કરવી જોઈએ.											
	પાકની ખેતી માટે સામાન્ય ભલામણો											
વાવણી	ભલામણ કરેલા બીજ દર એટલે કે 1.5 કિગ્રા/એકરના દરે, પૂરતા જેમ્ર અને ભલામણ કરેલા અંતર સાથે વાવણી કરવાની રહેશે. બીજાને ઉધઈ અને સફેદ ઇયળ જેવી જુવાંતથી બચાવવા માટે વાવણી પહેલાં માટીમાં જંતુનાશક દવાનો ઉપયોગ કરો.											
બીજની માવજત	થિરામ (75% WS) અને ડેલ્ટામેથ્રિન (2.5% WP)થી બીજની માવજત કરવામાં આવે છે, તેથી વાવણી પહેલાં બીજને પલાળી રાખશો નહીં											
	સેમીમાં અંતર (બે હરોળ વચ્ચે અને બે છોડ વચ્ચે)											
વરસાદ આધારિત/ સિંચાઈ આધારિત 60000 છોડ/એકર	45x10 cm											
ખાતરની ભલામણ	છાણીયું ખાતર જમીનની ફળદ્રુપતામાં સુધારો કરે છે. પાકના વિવિધ તબક્કાએ રાસાયણિક ખાતરોની ઉપલબ્ધતા સુનિશ્ચિત કરે છે.											

છાણીયું ખાતર અને રાસાયણિક ખાતરોની ભલામણ

			છાણીયું ખાતર ટન/ એકર	યૂરિયા (કિલો/ એકર)	ડી એ પી (કિલો/ એકર)	પોટાશ (કિલો/ એકર)
વરસાદ આધારિત 60000 છોડ/એકર			3	40	20	20
જો જરૂરી હોય તો વરસાદ આધારિત/ જુગજરૂરક સિંચાઈ 60000 છોડ/એકર			4	60	40	20

રાસાયણિક ખાતર આપવાનો સમય

			છાણીયું ખાતર ટન/ એકર	યૂરિયા (કિલો/ એકર)	ડી એ પી (કિલો/ એકર)	પોટાશ (કિલો/ એકર)
વરસાદ આધારિત 60000 છોડ/એકર	છાણીયું ખાતર		3	5	20	20
	બેજરૂ વાવી 3-4 અઠવાડિયા			18		
	બેજરૂ વાવી 6-7 અઠવાડિયા			17		
જો જરૂરી હોય તો વરસાદ આધારિત/ જુગજરૂરક સિંચાઈ 60000 છોડ/એકર	છાણીયું ખાતર		4	20	40	20
	બેજરૂ વાવી 3-4 અઠવાડિયા			20		
	બેજરૂ વાવી 6-7 અઠવાડિયા			20		

આંતરખેતી	પાકના પાયેત્તરના શરૂઆતના તબક્કામાં નીંદણ નિયંત્રણ ખૂબ જ જરૂરી છે. નીંદણ નિયંત્રણ માટે યોગ્ય પદ્ધતિઓનો ઉપયોગ કરો.
સિંચાઈ	વાવણી સમયે, ફૂલો આવે ત્યારે અને દાણા આપવાના સમયે જમીનમાં યોગ્ય ભેજ હોવો જોઇએ.
નીંદણ નિયંત્રણ	હાથથી નીંદણ કાઢીને અથવા નીંદણનાશકોનો ઉપયોગ કરીને નીંદણ નિયંત્રણ કરવું જોઇએ. નીંદણ નિયંત્રણ માટે તેના ઉદ્ભવ પહેલાં એટ્રાઝિન 50%WP (250 ગ્રામ/એકર)નો ઉપયોગ કરી શકાય
જીવાંત અને રોગો	જીવાંત: જીવાંતના કારણે બાજરા પાકને વિવિધ તબક્કામાં નુકસાન પહોંચે છે. સાંઠાની માખી અને ગાભમારાની ઇયળ મુખ્ય જંતુઓ છે જે ઉપજ ઘટાડે છે. અન્ય જીવાંતમાં ઉધઈ, સફેદ ઘેટા, ભૂરા કાંસીયા, તીડ અને ઇયળ છે.

જુવાંત/ રોગ	ઉપદ્રવનો સમય	નિયંત્રણના પગલાં/ રાસાયણિક	ટિપ્પણીઓ
ઉધઈ	વાવણી સમયે	ઈમિડાક્લોપ્રિડ 70% WS (10 ગ્રામ/ કિલો બીજ)	બીજની માવજત
સફેદ ઘેટા	વાવણી સમયે	બાજરીના બીજ સાથે કાર્બોફુરાન 3 જી 12 કિલો/ હેક્ટરમાં મિક્સ કરવું	
સાંઠાની માખી અને ગાભમારાની ઇયળ	વાવણી પછી 20-25 દિવસ	ઈમિડાક્લોપ્રિડ 70% WS (10 ગ્રામ/ કિલો બીજ)	બીજની માવજત
ફૂગજન્ય (બારાના) રોગ	પાયેત્તરીય અવસ્થાથી શરૂઆત કરો	એપ્રોન 35 SD 6 ગ્રામ/ કિલો બીજ દ્વારા બીજની માવજત કરો	પ્રતિરોધક હાઈબ્રિડનો ઉપયોગ કરો

નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત વિશિષ્ટ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.
લણણી અને થ્રેશિંગ	છોડના હિલર ભાગમાં અનાજના તળિયે કાળા ડાઘ દેખાય ત્યાં, ત્યારે તે શારીરિક રીતે પરિપક્વતા સુધી પહોંચી ગયો હોય છે તેથી બાજરા લણણી માટે તે શ્રેષ્ઠ તબક્કો છે.
સંગ્રહ	લણણી પછી, બીજને સૂર્યપ્રકાશમાં યોગ્ય રીતે સૂકવો અને પછી ઉંદરો અને જીવાંતથી બચવવા માટે સૂકી અને ઠંડી જગ્યાએ સંગ્રહ કરો.
આટલું ન કરશો	1. જે ખેતરોમાં પાછલા વર્ષે ફુગુલ(બારા) રોગ જેવા ફગલા રોગો ફેલાયા હોય ત્યાં બાજરા વાવશો નહીં. 2. બાજરા પાકને વધુ પડતા ભેજવાળા ઢગલામાં સંગ્રહિત કરશો નહીં. ખાતરી કરો કે ડુંડા / બીજ સારી રીતે સૂકાયેલા છે.
આટલું કરો	1.જંતુઓ અને રોગોને શરૂઆતના તબક્કે ઓળખી કાઢો અને તેમના નિવારણના પગલાં લો. 2.પાકના વિકાસના કોઈપણ તબક્કે ખેતરોમાં પાણી એકઠું ન થાય તેની ખાતરી કરો.
સાવચેતીઓ	પાકની પૂદ્ધિ અને ઉપજને વિવિધ પરિબળોની અસર થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય તેની ખાતરી કરો. બીજ, ખાતરો અને જંતુનાશકોની ખરીદીનાં બિલ સાચવી રાખો.